ब्लू रिवोल्यूशन दैट विल बी

यह आलेख सामान्य अध्ययन प्रश्न-III
(भारतीय अर्थव्यवस्था)

इंडियन एक्सप्रेस

लेखक-तरुण श्रीधर (पशुपालन, डेयरी और मत्स्य पालन विभाग के सचिव, कृषि और किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार)

2 मार्च, 2019

"एक नए विभाग और बेहतर नीतियों ने मछली फार्मों की उत्पादकता को बढ़ावा दिया है।"

केंद्र सरकार द्वारा मत्स्य पालन के लिए एक अलग विभाग बनाया जाना एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगी। मछली पालन कई समुदायों के लिए आजीविका का प्राथमिक स्रोत है। स्वतंत्र विभाग का एक केंद्रित प्रयास सरकार के किसानों की आय दोगुनी करने के अपने उद्देश्य को प्राप्त करने में मद्द कर सकता है, बशर्ते उसकी नीतियां स्थिरता की चुनौती को संबोधित करें।

भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादक देश है, जिसका निर्यात 47,000 करोड़ रुपये से अधिक है। पिछले पांच वर्षों में 6 से 10 प्रतिशत की विकास दर के साथ मत्स्य पालन देश का सबसे बड़ा कृषि निर्यात है। इसका महत्व इस तथ्य से रेखांकित होता है कि इसी अवधि में कृषि क्षेत्र की विकास दर लगभग 2.5 प्रतिशत है।

हालाँकि, दुनिया के बाकी हिस्सों की तरह ही, भारत का मत्स्य पालन क्षेत्र स्थिरता की चुनौती का सामना करता है। फूड एंड एग्रीकल्चर ऑर्गेनाइजेशन की स्टेट ऑफ वर्ल्ड फिशरीज एंड एक्वाकल्चर की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक समुद्री मछली के स्टॉक का लगभग 90 फीसदी या तो पूरी तरह से दोहन किया जा चुका है, या इस हद तक खत्म हो गया है कि इसकी रिकवरी जैविक रूप से अब संभव नहीं है।

पशु प्रोटीन की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, वैश्विक मछली उत्पादन 2025 तक 196 मिलियन टन तक पहुँचाना चाहिए था, लेकिन यह वर्तमान में 171 मिलियन टन ही है। समुद्री मछलियों के स्टॉक की मौजूदा घटती दर को ध्यान में रखते हुए, यह असंभव ही लगता है। लेकिन भारत में इस अंतर को पाटने की क्षमता है, बशर्ते यह जलीय कृषि – मछली पालन पर केंद्रित हो। इस संबंध में देश का तुलनात्मक लाभ है। इसमें 3.5 मिलियन समुद्री आबादी है; 10.5 मिलियन लोग अंतर्देशीय मत्स्य और मछली पालन में लगे हुए हैं।

हालाँकि, प्रति फिशर, प्रति नाव और प्रति कृषि के संदर्भ में दोनों क्षेत्रों में उत्पादकता कम है। नॉर्वे में, एक मछुआरा / किसान प्रति दिन 250 किलोग्राम मछली पकड़ता है / उत्पादन करता है जबकि भारतीयों का औसत चार से पांच किलो है।

हालांकि, जब कोई इसकी तुलना पूरे विश्व में मत्स्य क्षेत्र के औसत विकास के साथ करता है, तो भारत में इस क्षेत्र का प्रदर्शन प्रभावशाली है। ब्लू रिवोल्यूशन स्कीम ने कुछ साल पहले मत्स्य और जलीय कृषि को व्यवहार्य और पुरस्कृत करने का प्रयास किया था। इस योजना ने दो आयामी दृष्टिकोण अपनाया, जिसमें समुद्री और अंतर्देशीय जल संसाधनों का दोहन करने के लिए सतत् मत्स्य पालन और बढ़ी हुई कवरेज, बढ़ी हुई उत्पादकता, प्रजातियों के विविधीकरण और बेहतर बाजार रिटर्न के माध्यम से मछली की खेती के क्षितिज का विस्तार करना शामिल है।

समुद्री कैप्चर फिशरी में बड़े पैमाने पर छोटे मछुआरे शामिल होते हैं जो पारंपरिक नौकाओं का संचालन करते हैं,-जिसमें गैर-मोटर चालित जहाज या एक बुनियादी आउटबोर्ड मोटर के साथ नौकाएं शामिल होती है। ये जहाज किनारे के पानी से आगे नहीं जा सकते। उच्च मूल्य वाली प्रजातियाँ जैसे टूना को इन जहाजों का उपयोग करने वाले मछुआरों द्वारा नहीं पकड़ा जा सकता है। इन संसाधनों के निरंतर उपयोग से मछली पकड़ने के समुदायों को अत्यधिक लाभ होगा। इसलिए समुद्री मत्स्य पालन पर नई राष्ट्रीय नीति, गहरे समुद्र में मछली पकड़ने के जहाजों को शुरू करने और मछली पकड़ने के समुदायों की सहायता करने की बात करती है।

हालाँकि, हमें बड़े पैमाने पर औद्योगिक मछली पकड़ने के प्रलोभन के शिकार होने से सावधान रहने की आवश्यकता है। हमें स्थिरता की चुनौतियों का सामना करना चाहिए और स्वीकार करना चाहिए कि बड़ी संख्या में समुदायों और व्यक्तियों के लिए मछली पालन एक प्राथमिक आजीविका गतिविधि है। नए विभाग द्वारा तैयार की गई नीतियों का उद्देश्य उत्पादकता, बेहतर रिटर्न और बढ़ी हुई आय को बढ़ाना है।

इस नीति में बीज के बढ़ते भंडार, बेहतर फीड गुणवत्ता और प्रजातियों के विविधीकरण के माध्यम से सघन मछली पालन की परिकल्पना की गई है। प्रति बूंद अधिक फसल के लक्ष्य को साकार करने के लिए पुनः संक्रमणीय जलीय कृषि प्रणाली जैसे नवीन अभ्यास करने की आवश्यकता है। परिणामस्वरूप, ताजे पानी के मछली फार्मों की उत्पादकता 2.5 टन प्रति हेक्टेयर से 3 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर से अधिक हो गई है।

खारे पानी की तटीय जलीय कृषि की उत्पादकता 10 से 12 मीट्रिक टन प्रति हेक्टेयर को छू गई है, जो पिछले दो से चार टन प्रति हेक्टेयर की तेज वृद्धि है। मछली पालन के तहत तीस हजार हेक्टेयर क्षेत्र को जोड़ा गया है। सरकार ने अच्छी गुणवत्ता वाले मछली बीज की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए मछली पालने के जहाज में निवेश किया है। एक्वाकल्चर के विस्तार से यह मांग तेजी से बढ़ेगी। क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए भविष्य की नीतियों में बीज उत्पादन को प्राथमिकता देनी चाहिए।

जलाशयों और अन्य खुले जल निकायों में पिंजरे की संस्कृति की शुरूआत से उत्पादन में वृद्धि हुई है। लगभग 8,000 पिंजरे स्थापित किए गए हैं और भले ही एक पिंजरे में तीन टन मछली की मामूली पैदावार हो, यह उत्पादकता में 1,000 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि करती है। इस नई प्रथा से मछुआरों को खतरनाक नदियों और प्रतिबंधित जलाशयों तक जाने के जोखिम से मुक्ति मिल रही है। ब्लू रिवोल्यूशन में 3,000 करोड़ रुपये के निवेश को 7,523 करोड़ रुपये के फिशरीज और एक्वाकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड के माध्यम से पूरक बनाया जा रहा है। यह इस क्षेत्र की पूंजी निवेश आवश्यकता को पूरा करेगा।

नया विभाग समुद्री और अंतर्देशीय मत्स्य पालन में अवस्थापना सुविधाओं को बनाने और मजबूत करने पर अविभाजित ध्यान देगा और जलीय कृषि और कटाई के बाद की गतिविधियों को बढ़ावा देगा। देश को 2019 के अंत तक 15 मिलियन टन से अधिक मछली का उत्पादन करना चाहिए और यह इस तरह से होना चाहिए जिससे भारत को स्थायी मछली उत्पादन का एक केंद्र बनाया जा सके।

GS World टीम...

मत्स्य पालन

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में अंतरिम बजट में, वित्त मंत्री पीयूष गोयल ने मत्स्य पालन के लिए एक अलग विभाग बनाने की घोषणा की थी।
- गजट अधिसूचना में कहा गया है कि इसी के अनुरूप सरकार ने वर्ष 1961 के व्यवसाय आवंटन नियमों में संशोधन करके मत्स्य पालन के लिए एक अलग विभाग बनाया है।
- विभाग का उद्देश्य मछली पकड़ने और मत्स्य पालन का विकास (अंतर्देशीय, समुद्री और क्षेत्रीय जल से आगे निर्धारित सीमा तक) और इसकी संबद्ध गतिविधियों का संवर्धन करना है।

मत्स्य पालन विभाग का गठन

- भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा मछली उत्पादन करने वाला देश है, जहां वैश्विक उत्पादन का 6.3 प्रतिशत पैदा होता है। पहले स्थान में चीन काबिज है।
- भले ही चीन पहले स्थान में हो, लेकिन बीते कई सालों से हमारे देश में मछली का उत्पादन और इससे होने वाली कमाई बढ़ रही है।
- इस सेक्टर से लगभग 1.45 करोड़ लोगों को रोजगार मिला हुआ है और पिछले कुछ वर्ष में यह क्षेत्र 7 फीसदी की सालाना दर से बढ़ रहा है।
- सरकार ने इस सेक्टर के विकास पर नजर रखने हेतु मत्स्य पालन विभाग बनाने का निर्णय लिया है।
- इन संबद्ध गतिविधियों में अवसंरचना विकास, विपणन, निर्यात और संस्थागत व्यवस्थाएँ शामिल हैं।
- मत्स्य पालन के संबंध में तमाम आंकड़े रखने के अलावा, यह विभाग मछली स्टॉक आयात को विनियमित करेगा।
- यह विभाग, एक राज्य से दूसरे राज्य में मछली को प्रभावित करने वाले संक्रामक या संक्रामक रोगों अथवा कीटों के प्रसार को रोकने के लिए कदम उठाएगा।
- यह राज्य एजेंसियों/सहकारी समितियों के माध्यम से विभिन्न राज्य उपक्रमों, मत्स्य विकास योजनाओं को वित्तीय सहायता की पद्धति की ओर भी ध्यान देगा।

नीली क्रांति

- नीली क्रांति की शुरुआत भारत में अरुण कृष्णन ने की थी, लेकिन बाद में सरकार ने खुद इसे एक बड़ा प्रोजेक्ट बना दिया।
- अगर देखा जाये तो देश और विदेश समेत पूरी दुनिया में मछली खाने और इसकी सहायता से अलग-अलग उत्पाद बनाने वाले लोगों की संख्या बहुत अधिक है और वो अलग-अलग तरह की मछलियाँ चाहते हैं।
- देश में कुल मछली उत्पादन में अग्रणी राज्य इस प्रकार हैं: पश्चिम बंगाल>आंध्रप्रदेश>गुजरात>केरल>एवं तमिलनाडु
- देश में सागरीय मछली उत्पादन में अग्रणी राज्य इस प्रकार हैं: केरल>गुजरात>महाराष्ट्र>तमिलनाडु>एवं आंध्रप्रदेश
- आन्तरिक क्षेत्र में मछली उत्पादक बड़े उत्पादक राज्य इस प्रकार हैं:पश्चिम बंगाल>आंध्र प्रदेश>केरल>तमिलनाडु

संभावित प्रश्न (प्रारंभिक परीक्षा)

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-

1. भारत विश्व का सबसे अधिक मछली उत्पादन करने वाला देश है।
2. मत्स्य पालन भारत का सबसे बड़ा कृषि निर्यात क्षेत्र है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:-

1. भारत में पश्चिम बंगाल कुल मछली उत्पादन में प्रथम स्थान पर है।
2. भारत में सागरीय मछली के उत्पादन में गुजरात प्रथम स्थान पर है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

1. Consider the following statements -

1. India is the largest producer of fishries in the world.
2. Fishries is the largest agricultural export sector of India

Which of the above statements is/are correct?

(a) Only 1
(b) Only 2
(c) Both 1 and 2
(d) Neither 1 nor 2

2. Consider the following statements -

1. West Bengal is leading in the total fish production.
2. Gujarat is leading in the sea fish production in India.

Which of the above statements is/are correct?

(a) Only 1
(b) Only 2
(c) Both 1 and 2
(d) Neither 1 nor 2

संभावित प्रश्न (मुख्य परीक्षा)

प्रश्न: हाल ही में केन्द्र सरकार द्वारा मत्स्य पालन के लिए बनाया गया अलग विभाग मत्स्य पालन क्षेत्र में स्थिरता की चुनौतियों को कम करने में कहाँ तक सफल होगा? चर्चा कीजिए।

Q. Recently, a separate department has been created by the central government for fishries, to what extent it will be successful in reducing the challenges of stagnation in fishries sector? Discuss.

(250 Words)

नोट : 1 मार्च को दिए गए प्रारंभिक परीक्षा (संभावित प्रश्न) का उत्तर 1(a) होगा।